भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4532
शुक्रवार 20 मार्च, 2020 को उत्तर देने के लिए
देशी गायों से उत्पादों के बारे में अनुसंधान और विकास

4532 प्रो. अच्युतानंद सामंत:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देशी गायों से मुख्य उत्पादों के अनुसंधान और विकास (एसयूटीआरए-पीआईसी) के लिए प्रस्तावों को आमंत्रित किया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण है;

(ख) क्या इस संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तोइन प्रस्तावों के विषय क्या हैं; और

(ग) यदि हां, तो पक्षपातरहित देशी गोजातीय अनुसंधान की प्रभावकारिता को कम किए बिना इसे सरकार तक पहुंचाने को सुनिश्चित किए जाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री,पृथ्वी विज्ञान मंत्रीऔर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री,
(डा. हर्षवर्धन)

(क) और (ख): जी हां। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एस एंड टी) ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)और आयुष मंत्रालय के सहयोगात्मक कार्यक्रम के रूप में ''साइंटफिक यूटिलाइज़ेशन थ्रू रिसर्च ऑग्मेंटेशन-प्राइम प्रडक्ट्स फ्रॉम इंडीजीनस कॉव्स: एसयूटीआरए-पीआईसी इंडिया प्रोग्राम''पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू करने की पहल की है।

इस समन्वित कार्यक्रम का लक्ष्यआम उद्देश्य- देशी गायों के प्रमुख उत्पादों का वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य, खाद्य, कृषि, पोषण आदि में इसका अनुप्रयोग-को पूरा करने के लिए विशेषज्ञता, संसाधनों और निधियोंके मामलों में तालमेल बनाने की दिशा में काम करना है । यह कार्यक्रमउपयोग वाले उत्पादों के वैज्ञानिक सत्यापन और प्रमाणन के साथ अपने तार्किक परिणाम हेतु अनुसंधान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है ।

इस प्रयास में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा ऑपन कॉल के माध्यम से परियोजना प्रस्ताव निम्नलिखित विषयवस्तु के क्षेत्रों सहित एस एंड टी आधारित आर एंड डी परियोजनाओं के निष्पादन में प्रमाणित सफलता के रिकॉर्ड वाले भारत में सक्रिय अनुसंधान अनुसंधान संस्थानों, अकादमियों, एसएंडटी सक्षम ऐच्छिक संगठनों (एनजीओ) के वैज्ञानिकों/ अकादमीविदों से आमंत्रित किए गए हैं:

1. देशी गायों की विशिष्टता पर वैज्ञानिक शोध।
2. देशी गायों के प्रधान उत्पादों पर चिकित्सा और स्वास्थ्य; कृषि अनुप्रयोग; खाद्य और पोषण और उपयोगिता वाली वस्तुओं की दृष्टि से वैज्ञानिक अनुसंधान ।

मुक्त कॉल के तहत, अनुसंधान और विकास कार्यों को पूरा करने के लिए कुल 321 परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। टॉपिक में अन्य बातों के साथनिम्नलिखित शामिल हैं:

1. गाय के गोबर पर आधारित पर्यावरण हितैषी हर्बल मच्छर प्रतिकर्षी बत्ती / कॉइल का निर्माण
2. एंटीबायोटिक और कैंसर रोधी दवाओं की क्षमता बढ़ाने में गुणकारीगो-मूत्रअर्क में जैव सक्रिय सिद्धांत की रासायनिक रूपरेखा और पुष्टि ।
3. मेघालय पूर्वोत्तर क्षेत्र और गुजरात के पश्चिमी भाग की देशी गाय से प्रोबायोटिक किण्वित दूध के संपाक के लिए प्रौद्योगिकी का विकास और इसके जैव-कार्यात्मक गुणों का मूल्यांकन

4. देशी गाय के प्रमुख उत्पाद का उपयोग करके दलहनी फसलों के बीज की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए जैव-प्रौद्योगिकीय कार्यरीतियां ।
5. देओनी, मलनाडगिडा और होलस्टीन फ्रेशियन मवेशियों के ए1 और ए2 दूध का अनुमान लगाने के लिए लक्षित मास स्पैक्ट्रोमेट्री-बेस्ड प्रोटोटाइप एस्से का विकास
6. हिमाचली पहाड़ी गाय के दूध की जैव-पूर्वेक्षण-चिकित्सीय क्षमता
7. देशी मूल की गाय के गो नव दुग्ध और पूर्व शैशवकालके इसके चिकित्सीय तथा खाद्य उत्पादों, और कुपोषण उत्पादों/सेवाओं का प्रसंस्करण और लक्षणवर्णन ।

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए कि पूर्वाग्रहरहित और निष्पक्ष स्वदेशी गोविषयक अनुसंधान सरकार तक पहुँचता है, नवीन और नवोन्मेषी परियोजनाओं को सूत्र पिक कार्यक्रम की प्रभावकारिता को नुकसान पहुंचाए बिना इसके तहत प्रतिस्पर्धी अनुदान मोड में चुना जाएगा। इस तरह के प्रक्रिया तंत्र में राष्ट्रीय स्तर पर संबंधित मंत्रालयों / विभागों और एसएंडटी ज्ञान संस्थानों / आरएंडडी प्रयोगशालाओं के विषयगत विशेषज्ञों को नियोजित कर रही परियोजनाओं की जांच करना, अंतिम रूप देना और कार्यान्वयन शामिल होगा।

इसके अलावा, राष्ट्रीय नवोन्मेष फाउंडेशन (एनआईएफ), अहमदाबाद थानशोध, अल्पकालिक बुखार, ब्लोट, दूध उत्पादन वृद्धि , बाह्यपरजीवी, अंत:परजीवी ग्रसन जैसे पशुओं के रोगों और स्त्रीरोग विज्ञानी विकारों जैसे स्त्रीमदकालहीनता के उपचार, बीजाण्डासन के प्रतिधारण में देशी पशुचिकित्सीय उपचार की वैधता के द्वारा गो स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है । एनआईएफ के पास किफायती तरीके से गुणवत्ता वाली पशुधन स्वास्थ्य देखभाल के लिए किसानों के बीच सामान्य प्रबंधन कार्यप्रणालियों के रूप में मूल्यवर्धित सतत स्वदेशी प्रौद्योगिकियां थीं।

****